यादां रे परछावें

पहाड़ी गीत

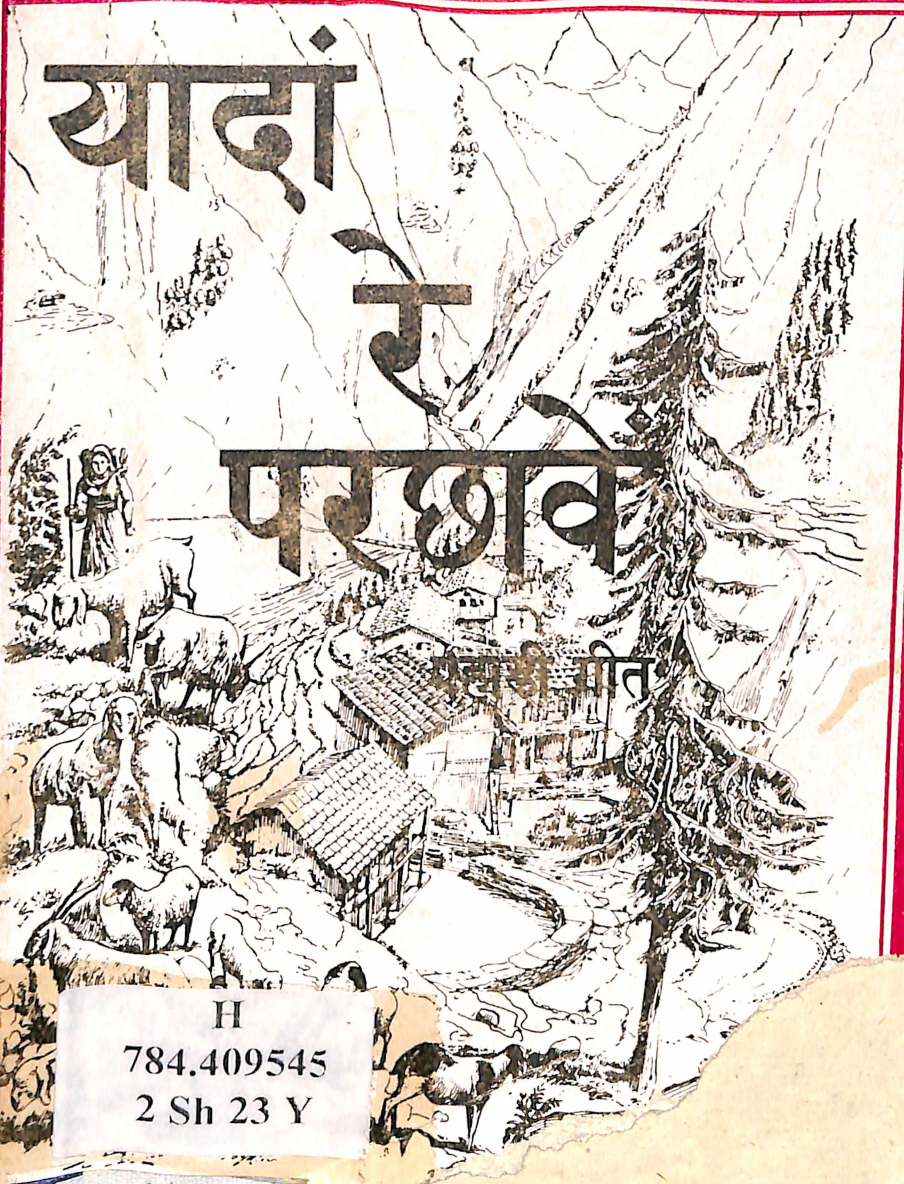

H
784.409545
2 Sh 23 Y

H
784.409
545.2
Sh 23 Y

यादां

रे

परछावें

ज्वाला प्रसाद शर्मा और अच्छर सिंह परमार

द्वारा रचित

पहाड़ी गीत

प्रकाशक

घाटी गुंजन कला मंच

शिमला

लेखक :

ज्वाला प्रसाद शर्मा

अमृत निवास, शिमला-171002 (हिमाचल प्रदेश)

अच्छर सिंह परमार

पुरुषार्थी बस्ती. शिमला-171001 (हिमाचल प्रदेश)

Library IIAS, Shimla
H 784.409 545 2 Sh 23 Y
G1257

मंच, प्रसारण, अनुवाद, फिल्मों-दूरदर्शन, कैसेट आदि के लिए प्रयोग करने से पहले लेखकों की अनुमति आवश्यक है।

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
G-1257
29.4.92
SIMLA

प्रथम संस्करण — 1989

प्रतियाँ — पाँच सौ

प्रकाशक — घाटी गुंजन कला मंच (पंजीकृत) द्वारा
185, लोअर बाज़ार, शिमला-171001
(हिमाचल प्रदेश)

मूल्य — 30-00 रुपए

मुद्रक — वीर आफसैट, 8/ए, माया पुरी, नई-दिल्ली

सम्पादकीय

घाटी गुँजन कला मंच एक पंजीकृत साँस्कृतिक संस्था है। इसने पिछले कई वर्षों से लोक संस्कृति में अपनी सेवाएं भारत भर में प्रदान की हैं। मंच का उद्देश्य नए कलाकारों को प्रोत्साहित करना, लोक संगीत व लोक नृत्य आदि के संरक्षण के लिए कार्य करना है। अब मंच ने यह भी जरूरी समझा कि जो लेखक-कवि अपनी लेखनी द्वारा अपनी भाषा की सेवा में लगे हैं उनके लेखन कार्य का प्रकाशन करके उन्हें सुरक्षित रखा जाए। मंच का यह प्रथम प्रयास ज्वाला प्रसाद शर्मा और अच्छर सिंह परमार द्वारा लिखित पहाड़ी गीतों की पुस्तक "यादां रे परछावें" का प्रकाशन है। इस बात को अनेकों लोग नहीं जानते होंगे कि इन दोनों लोक कलाकारों की जहां आवाज़ें सुरीली व लोक प्रिय हैं वहीं इनकी लेखनियाँ भी सशक्त हैं। इनकी रचनाओं को सुरक्षित और जन मानस तक पहुँचाने के लिए मंच ने इनका प्रकाशन आवश्यक समझा। इन रचनाओं में भाव की सादगी, भाषा की सरलता और विचारों की गहराई का अद्भुत संगम है। सभी रचनाएं गेय हैं, अतः पाठकों और गायकों को अवश्य पसन्द आएंगी। मँच का यह प्रथम प्रकाशन है। आपके सहयोग से आशा है, यह क्रम जारी रहेगा।

घाटी गुंजन कला मंच

शिमला

आमुख

कवि हृदय की कोमलतम भावनाएं जब भी अंगड़ाईयाँ लेती हैं तब कविता उत्पन्न होती है और जब यही भावनाएँ संगीतमयी हो जाती हैं तब गीत की गुनगुनाहट पैदा होती है। ये भावनाएं किसी भाषा विशेष की प्रतीक्षा नहीं करतीं। इन्हें व्यक्त होने में जो सरल और सहज भाषा माध्यम पाती हैं, गीत-संगीत में ढल जाती हैं, हम ऐसा समझते हैं।

हिमाचल प्रदेश के अनेक कवियों ने पहाड़ी में अपने विचारों की अभिव्यक्ति की है। इसी दिशा में हमने भी अपनी रचनाओं के माध्यम से छोटा सा प्रयास किया है जो आपके सम्मुख है। इस पुस्तक 'यादां रे परछावें' के सम्बन्ध में हम यह महसूस करते हैं कि प्रत्येक रचना हमारी और आपकी अपनी ही बात है। भावों का मूल्यांकन आप करेंगे हम तो यही जानते हैं। इस पुस्तक की रचनाओं की भाषा ठीक वही है जो इस प्रदेश के अधिकाधिक जन मानस पटल पर है जो प्रदेश के अधिकांश भागों में बोली और समझी जाती है। इनमें से कुछ एक रचनाएँ आकाश वाणी और दूरदर्शन के माध्यम से प्रसारित होती रही हैं तथा उन्हीं की लोकप्रियता ने हमें अत्याधिक प्रोत्साहित किया—हमारी लेखनियों को सबल किया। यहां तक कि इन्हीं में एक रचना :

"न आसे काँगड़ी न चम्बयाल
न आसे कुल्लवी न मण्डयाल,
न सिरमौरी न किन्नौरी,
न कहलूरी वासी।
सारे हिमाचल वासी, आसे पहले हे भारतवासी ।।"

जोकि भाषा एवम् संस्कृति विभाग के माध्यम से भारत भर के अतिरिक्त विदेशों में भी प्रस्तुत की गई। हमारी संगीत में थोड़ी बहुत रुचि होने के कारण हमने ये प्रयास किया है कि इन सभी रचनाओं को स्वर ताल में बाँधा जा सके। देश-प्रदेश के सभी संगीत प्रेमियों से हमारा सप्रेम अनुरोध है कि यदि वे इन रचनाओं को मंच, आकाश वाणी, दूरदर्शन, कैसेट व फिल्मों आदि में स्वर दें तो हमारा प्रयास सफल हो जाएगा।

आदर सहित,

आपके अपने
ज्वाला प्रसाद शर्मा
अच्छर सिंह परमार

सभी लोक गायकों और अनाम रचनाकारों को समर्पित

ज्वाला प्रसाद शर्मा और अच्छर सिंह परमार के लिखे गीतों की इस लड़ी में भरपूर अपना पन और अपनी माटी की अनौखी खुशबू छुपी है। 'यादां रे परछावें' पढ़ कर या गा कर ऐसा लगता है जैसे कोई अपना ही प्रतिबिम्ब देख रहा हो। इन गीतों में हिमाचली शैली और ख्याल की उड़ान का अद्भुत संगम है। ऐसा लगता है जैसे कोई अपने से बातें करके मन का बोझ हल्का कर रहा हो।

मुझे पूरी उमीद है इन गीतों को गा कर या सुनकर हरेक दिल में एक मीठी याद जागेगी, क्योंकि इनकी सादगी दिल की गहराईयों को छूने वाली हैं। आशा करता हूँ 'यादां रे परछावें' शिखरों और घाटिओं में हिलोर भर देंगे। प्यार के, विछोह के और संयोग के ये तराने हर जुबान पर रहेंगे।

इन दोनों प्रतिभाशाली लेखकों – कलाकारों को मैं बधाई देता हूँ जिन्होंने अथक प्रयास से सही जुबान में इस संग्रह को साकार कर दिया। 'यादां रे परछावें' अपने में एक अनूठी मिसाल है, अमिट छाप है।

एस. शशि
(संगीत निर्देशक)
आकाशवाणी दिल्ली

सूची

पहला भाग

लेखक : ज्वाला प्रशाद शर्मा

रचना	पृष्ठ
सारे हिमाचल वासी—पहले हे भारतवासी	1
तेरी बंगा री छुण-मुण	2
आई गया पाणी	3
शहीदाँ री याद	4
पहले हे भारती भाई	5
लगी जातरा मण्डी नगरा म्हारे	6
मारकंडा रे मेले जो	7
शिमले री पैड़ियां	8
किस रीस करनी	9
खिली गई लो चानणी	10
ओ हौलदारा	11
ओ मनेजरा	12
मेरेया भादरा	13
उचिए चीले मुईये	14
देखणी नल्वाड़ी	15
सेहरा तेरा गुलनार लाड़या	16
परिवार नियोजन	17

रचना	पृष्ठ
कालजुए पीड़ लगदी	18
गंगी	19
भजन	20
भारत प्यारा	21
किथी गई स्यों कसमा सारी	22
पखेरूए भरी चागा	23
नीले पाणिए री झीले	24
वरसात लगुरी	25
तेरा बछोड़ा किहां करी सैहणा	26
इन्तजार अड़िए	27
मैं मेले जो किहां जाणा	28
गज़ल	29
गज़ल	30
लोरी	31
मेरे हाणिया	32
ठुमरी	33
यादाँ तरसांदी	34
विदाई	35
अंभू कित्तो आए	36
जै मैय्या टारना	37
बाँका जीणा हिमाचला रा	38
मुकी जाणी जिन्दड़ी	39
आई गया होश छोरीए	40
टेपे अंभुआँ रे	41

दूसरा भाग

लेखक : अच्छर सिंह परमार

रचना	पृष्ठ
आसारा हिमाचल	43
झीला री सैर	44
बिजली गरागड़े	45
सुफना डरौणा	46
शिमले री धारे	47
सुण भाईया करसाणा	48
म्हारे वीर	49
जै जगतारनी	50
हासी के न टाल़ गोरिए	51
एक भतेरा	52
आए परौहणे	53
गड्डी रोक ओ डलेबरा	54
तेरा डेरा पुछेआ	55
न्ह्याल़प	56
काल़जे रा दाह	57
रोस मलेखा	58
वचारा आँभू	59
यादाँ रा परछावाँ	60
दलासे	61

रचना	पृष्ठ
डंग काली रातो रे	62
भर बरसाती	63
कच्चे छाले	64
याद देख्याँ औन्दी	65
अरज	66
भलो नी ओ कीती	67
रेके	68
से गल्लाँ गई	69
बसणा	70
सरूआँ री डालिए	71
बदला रे टलुआ	72
चल जानी मेरिए	73
कुस जो सुणाऊँ	74
काटी कने फंग	75
मेरी जिन्दड़ी	76
पलेस	77
कलेस	78
गलान्दा देखेआ	79
गंगी—वालो	80-85

छोटी मोटी गलां ता मक्वाई कने मुकणी
एकी जूँआं पिछे आसा खिंध नी फुकणी

ज्वाला प्रसाद शर्मा

पहला भाग
(पृष्ठ 1 से 41 तक)

सारे हिमाचल वासी – पहले हे भारत वासी

न आसे कांगड़ी न चम्बयाल, न आसे कुल्लवी न मण्डयाल,
न सिरमौरी, न किन्नौरी, न कहलूरी वासी, सारे हिमाचल वासी,
पहले हे भारत वासी ।

सरगा जो छुन्दी इत्थी उची-2 घाटियां,
बरफानी चद्दरां ने ढकी रैंहदियां ।
असमानी रंगा री डूघी-2 नदियां,
राती ध्याड़े छोड़े-छोड़े बैहंदी रैहदियां ।
ये ता तीरथ हा म्हारा जिहां काशी
सारे हिमाचल वासी — पहले हे भारत वासी ... ...

फल फूल इत्थी सारी दुनियाँ ते न्यारे,
जित्थी जांदे म्हाचला रा नाँव करदे ।
भादरां च भादर जवान म्हारे म्हाचला रे,
देशा पीछे मरने ते हैं नी डरदे ।
बड्डा काल्जा चौड़ी छाती
सारे हिमाचल वासी-पहले हे भारत वासी...

घर-घर द्यो देवी वास इत्थी करदे,
तीरथा रा सारा सुख इत्थी मिलदा ।
घणे—घणे जंगलां च कुदरत नचदी,
जीणे रा नजारा सारा इत्थी मिलदा ।।
इत्थी देवते लाख चुरासी
सारे हिमाचल वासी — पहले हे भारत वासी ... ... ।।

बंगां री छुण-मुण

तेरी बंगा री छुण मुण कालजु जो वजदी ।
छूटी जांदी हाथा री दराटी ओ मेरी म्याणिए ।।

(i) विन्दिया री गल तेरी दूरा तक कीती मैं,
आदरा री जगाह तिज्जो कालजू च दिती मैं ।
ज्यूआ जो हा पता मुईये तू किहां जीती मैं,
तुध बाझी जीणा मेरा, जिहाँ भादरों रा न्हेरा
वणदी थी जिस्मा री माटी ओ मेरी म्याणिए ।।

तेरी वंगा री छुण मुण...

(ii) होर गलां छड्डी दे तू इक पयाड़ा सुणी लै,
मुल्खा जो छडणे रा इक ध्याड़ा चुणी लै ।
होरत बसांधे घर मोटा माड़ा सुणी लै,
ए हल्के मलेखे दूर करने भलेखे,
रही लोड़ी उमरा री चाटी ओ मेरी म्याणिए ।

तेरी बंगा री छुण मुण कालजु जो बजदी ।
छुटी जांदी हाथा री दराटी ओ मेरी म्यणिए ।।

आई गया पाणी

(1959-60 में बिलासपुर शहर को भाखड़ा झील में जल मग्न होते देख तथा इस कारण अपना घर छोड़ते हुए एक दम्पति अपनी भावना व्यक्त करते हुए)

—(०)—

चल मेरी जिन्दे नवीं दुनियाँ वसाणी ।
डूबी गये घर बार आई गया पाणी ।।

(i) म्हारे बजुर्गा री रखियां नशाणियां ,
म्हारे ही साम्हणे बणियां कहाणियां ।
ग्वाड़ु-स्वाड़ु मुके मुकेया खूहा रा पाणी,
भाखड़े रा डैम चढ़ेया आई गया पाणी ।।

चल मेरी जिन्दे ... ...

(ii) जिन्हा जिन्हा गलियां च बापुए फराये ,
अम्मा री गोदा च सैर करी आये ।।
उन्हां रे प्यारा री गल्लां याद किहाँ आवणी ।
डूबी गईयां गलियां से आई गया पाणी ।।

चल मेरी जिन्दे ... ...

(iii) सांढू री नल्वाड़ी रंगनाथा रे मेले,
भूली गये हुण बेड़ी-घाटा रे फेरे,
बेड़िया रे फेरे,
ल्हेड़ा रे बागा री लीची किते खाणी ।
डूबी गईयां बागां से आई गया पाणी ।।

चल मेरी जिन्दे नवीं ... ... ।
डूबी गये घर बार ... ... ।।

शहीदां री याद

हुई के शहीद जिन्हे शान बढ़ाई,
मावां रे बेटे मुके बैहणा रे भाई ।

हुई के शहीद ... ...

(i) जंगा रे मोर्चे री जीती लई बाजी ,
भारत भूमि री इज्जता री बाजी ।
गोली भी खाधी ता हीका पर खाधी ,
पीठ नी दसी भावें जान गंवाई ।।

हुई के शहीद ... ...

(ii) तारां केढ़ी यें बौडरा ते आई ,
नवीं नवेलियां री माँगा मटाई ।
धरती वीरां री जित्थी मौत भी हारी उत्थी ,
मरी ने भी जिन्दे म्हारे वीर सपाही ।।

हुई के शहीद .. ...

(iii) आपणा जे फर्ज नभाया म्हारे वीरे ,
दुनियां जो सबक सखाया म्हारे वीरे ।
तन मन धन हुण वीरां रे अर्पण ,
लोहुए री बूंदा जिन्हे देशा ते चढ़ाई ।।

हुई के शहीद ... ...
मावां रे बेटे ... ...

पहले भारती भाई

अ्सें हिन्दू भी हे मुसलमान भी है
सिख भी कन्ने इसाई,
सभी धर्मा रे हुन्दे भी सारे
पहले हे भारती भाई। ... अ्सें हिन्दू भी हे ... ...

(i) जेढ़ी गल्लाँ गीता च लिखियां
से ही कुराना च बाची,
गुरुआँ री बाणी से ही गलांदी
बाईबला च से ही जाची,
मन्दर मस्जिद होर गुरद्वारे
चर्चा री एक पढ़ाई। — अ्सें हिन्दू भी हे... ...

(ii) मिली ने रैहणा असां ते सिखेया
सारी दुनियां रे लोके,
मित्तर म्हारे खूब सराँहदे
दुश्मण भरदे हौके,
हल्की फुल्की गल्लाँ च पई के
खुणनी नी कोई भी खाई। — अ्सें हिन्दू भी हे ... ...

(iii) खिड़—खिड़ाँदी रुत्तां इत्थी
सारी दुनियां ते न्यारी,
छैल छबीले गभरू म्हारे
भारता री भादर नारी,
मुल्खा री खातर जीणा मरना
इसरे सच्चे सपाही।

अ्सें हिन्दू भी हे मुसलमान भी हे सिख भी कन्ने ईसाई।
सभी धर्मा रे हुन्दे भी सारे पहले हे भारती भाई॥

लगी जातरा

लगी जातरा मण्डी नगरा म्हारे।
आए द्यो—देवी सारे— लगी जातरा ।।

चोहटे बज्यारा री रौणक देखी, घूमी फिरी देखी सेरी।
रज्जी-2 ने मास खाधा, लूचियां खाधी भतेरां ।।
लगी जातरा ... ...

भूतनाथा रे दर्शन किते, टारना जाई के जागरा।
माधोराये री जलेब देखी खेल्हाँ पाडला रे पाधरा ।।
लगी जातरा ... ...

नवें जमाने री जातरा लगी पुराणी केथी टोलूं।
बैल बौटमा रे चाओ जागे भूली गये हुण चोलू ।।
लगी जातरा मण्डी नगरा म्हारे,
आए द्यो—देवी सारे—लगी जातरा ... ... ।।

मारकण्डा रे मेले जो

मारकण्डा रे मेले जो
असां जाई लैणा, तीरथ न्हाई लैणा।
होर करी लैणी दावियां री सैर लो ॥
मारकण्डा रे मेले जो

चैत ता मुको गया आया बसोआ,
खाणे जो लई आया बैर लो
मारकण्डा रे मेले जो

हरी-हरी कणका री हरी भरी डोहरियां,
घूमी फिरी कटणी दपैहर लो,
मारकण्डा रे मेले जो

भाऊए रे जमणे री सुखणा चढ़ाई के,
सँझा जो आई जाणा शैहर लो
मारकण्डा रे मेले जो

असां जाई लैणा—तीरथ न्हाई लैणा
होर करी लैणी दावियां री सैर लो
मारकण्डा रे मेले जो

शिमले री पैड़ियाँ

लोही कोही मुकदी नी शिमले री पैड़ियां,
हाडकू रा हुई गया नास, हांडी-2 सुकी गया मास ।

डेरे रिया टोला हाऊँ अनाडेल पुजेया,
ल्वाही क्वाही, लोही कोही गिटा मेरा सुजेया ।
पसीने रे घरैश्रोलेया ने सूट सारा सिजेया,
डेरे री ही छाडी दिती ग्रास—हांडी-2 सुकी गया मास ।
लोही कोही .. ...

टोली-टोला डेरा मिजो टुटीकण्ढी मिलेया
डेरा क्या मिलेया मन मेरा खिलेया
उपरा जो कोहंदे साह इहां फुलेया
जीणे री नी रैहंदी जिहां ग्रास—हांडी-2 सुकी गया मास
लोही कोही ... ...

चक्करा रे चक्करा च चक्कर लगाया
पाधरिया सड़का रा डेरा हथ आया
म्हीने रा जे सुणेया पंज सौ कराया
मुकी गई भूख होर प्यास—हांडी-2 सुकी गया मास
लोही कोही ... ...

बड्डेया रा शिमला तिन्हा जोही भाया,
इहां ही गरीबां रा मखौल उड़ाया ,
न पेट इत्थी भरदा न पुगदा कराया,
किहां पूरा हुणा गरम लबास —हांडी-2 सुकी गया मास
लोही कोही ... ...

किस रीस करनी

किस चन्दे री चानणी री रीस करनी
जुग मुकी गये पर ये नी मुकदी
किस चन्दे री चानणी री रीस करनी ...

कित्थी गया न्हेरा जे था असां जो डरांदा
आज पूरा चन्द किहां सूले सूले आओंदा
नखरे ने आओंदा
जुग मुकी गये पर ये नी मुकदी
किस चन्दे री चानणी री रीस करनी ...

एकी चन्दा अग्गे सारी दुनियां रा न्हेरा,
अंगणा च सभी रे ये लाई जांदा फेरा,
मक्वाई जांदा न्हेरा ।
जुग मुकी गये पर ये नी मुकदी,
किस चन्दे री चानणी री रीस करनी ...।

खिली गई लो चानणी

खिली गई लो चानणी पारलिया धारा
याद किसी जो मेरी है नी आऊँदी ।

हाखियां भी मेरी थकी गई तिज्जो भाली ने,
दिलड़ू भी मेरा स्वाह किता तैं जाली ने ।
तिज्जो याद करी भूली दिता जग सारा,
याद किसी जो मेरी है नी आऊँदी ।
खिली गई लो चानणी ... ...

केढ़ा ए भलेखा हुआ, केढ़ी चाल बाजी,
जिन्दड़ी नभाणे जो हुणा नी था राजी ।
चानणी भी जाई के आई लो दबारा,
याद किसी जो मेरी है नी आऊँदी ।
खिली गई लो चानणी ... ...॥

ओ हौलदारा

साडे कपड़े पैह्नी घरे आयां, मेरी गलां जो भुली मत जायां।
न्याणेआ जो डर लगदा—ओ बालका जो डर लगदा ।।
ओ हौलदारा ... ...

इक-इक घड़ी जिहां बरसा री लगदी,
सारा दिन काटणा भारी लगदा।
बुरी तेरी गला जो छुरी जिहां चुभदी,
हासियां ने किहां मेरा ज्यू जलदा।
देखी लै तमाशा अप्पू घरे आई के—अप्पू आई के
पर आऊँदीं बारी भूली मत जायां,
सादे कपड़े पैह्नी घरे आयां।
न्याणेआ जो डर लगदा — ओ बालका जो डर ...

चाहूँदी भुलाणा तिज्जो कम्मा च पई के,
पर तू नी भुलदा, ज्यू जलदा।
रोई—रोई अँभुआ री झड़ी लगी जांदी,
दिला रिया हाखिआ च तू पलदा।
सौंह तेरी देखी लै तू अप्पू आई के—अप्पू आई के,
पर आऊँदी बारी भुली मत जायां,
सादे कपड़े पैह्नी घरे आयां।
न्याणेआं जो डर लगदा—ओ बालका जो डर लगदा।

ओ मनेजरा

मण्डिया ते कांगड़े जो जाणा ओ मनेजरा
मोटरा रा नम्बर तू दसी दे।
ड्रैवरा री हुंदी हाऊं ता लाड़ी ओ मनेजरा
अरज भी सुण मेरी हसी के ॥

जाणे ते पहले मेरी गल ही से सुणी लै,
मेरे ड्रैवरा री कच्ची नौकरी ही सुणी लै
उमर होए तेरी दूणी ओ मनेजरा
कच्ची नौकरी जो पक्की करी दे ... ...

ड्रैवर हा मेरा मानदार ओ मनेजरा
टांके रा नी करदा कारोबार ओ मनेजरा,
मोटर चलांदा मन लाई ओ मनेजरा
कच्ची नोकरी जो पक्की करी दे ... ... ।

गलां मेरी सुणी के बुरा देख्यां मनदा
तेरे ही बनाणे ते काम म्हारा बणदा,
जुग-जुग जीवे तेरे लाल ओ मनेजरा
कच्ची नौकरी जो पक्की करी दे।
मण्डिया ते कांगड़े जो ... ... ॥

मेरेया भादरा

न्हारी 2 राती काली काली राती
तेरो याद सतांदी ओ मेरेया भादरा ...

भुली दिता दुख सुख भुलेया नी तू मोया,
केढ़ी रोई बिलखी सुणेया नी तू मोया ।
केढ़ा हूँघा घर तेरा कुण हूंघा जी साथी
हाखी आंभू बरसांदी जधी याद तेरी आओंदी
ओ मेरेया भादरा ।
न्हारी-2 राती ...

घड़ी ये जुदाईया री मुकणे नी आओंदी
सुपणे च किहां देखूं निंदर नी आओंदी
बुरा ये बछोड़ा, जुदा होया जोड़ा
नाड़ी-2 करलांदी, जधी याद तेरी आओंदी
ओ मेरेया भादरा ।

न्हारी-2 राती, काली काली राती ।
तेरी याद सतांदी ओ मेरेया भादरा ।।

उच्चिए चीले मुईये

ओ उच्चिए चीले मुईये
झुकी-2 जांदी तू, नपी नपी जांदी तू,
किधी जो लगीरी झुकणे
ओ उचिए चीले मुईये ... ...

नीवें रहणे वाल्ेयां जो,
होर दबी देंदे लोक।
धीनगी री गल इथी
जाणदे नी कोई लोक।
ओ उचिए चीले मुईये ... ...

किस जो सुण्वांदी गल
आपणे ज्यूए री।
लगदी सख्वाली पीड़
सभी जो दूए री।
ओ उचिए चीले मुईये हो ... ...

देखणी नल्वाड़ी

रज्जी कने देखणी नल्वाड़ी,
बलासपुरा री — रज्जी कने देखणी नल्वाड़ी।

नीलू होर गोरू सौगी नेणे
मूल खरा मिलघा ता बेची भी देणे
झूटणे हण्डोले सौ वारी
बलासपुरा री — रज्जी कन्ने देखणी नल्वाड़ी

शैहर देखणे रा चाम्रो चुकाणा
बड्डे 2 होटलाँ च मास भत खाणा
धौलरे भी जाणा इक बारी
बलासपुरा री — रज्जी कन्ने देखणी नल्वाड़ी

शैहर नवां पर लोक पुराणे
पुराणे घरा रे बछोड़े से जाणे
बड़ी कुर्बानी इन्हा री
बलासपुरा री — रज्जी कन्ने देखणी नल्वाड़ी।

सेहरा

सेहरा तेरा गुलनार लाड़ेया
चन्द होर तारे मढ़ी दिते गाँधीए
सेहरा तेरा गुलनार लाड़ेया ... ...

काजल ता बाहेया तेरी हाखी भाभिए
हाथा बे नलेर कटार लाड़ेया
चाँदीए रा बरक लगाया गाँधीए
सेहरा तेरा गुलनार लाड़ेया ...

संग बराती चले नच्ची गाईके
परखदी हाखियां हज़ार लाड़ेया।
रूक्मण ल्यौणी आज तुध ब्याही के,
रूप तेरा कृष्ण मुरार लाड़ेया।।

सेहरा तेरा गुलनार लाड़ेया
चन्द होर तारे मढ़ी दिते गांधीए
सेहरा तेरा गुलनार लाड़ेया......

परिवार नियोजन

मर्द—-किथी पाणी बड्डी फौज, भुली जाणी सारी मौज,
फेरी स्यापेयां रे पई जाणे डेरे हो।
मुईये एक दो बालक भतेरे हो॥
एकी री कमाईया जो दस हुँधे खाणे वाले,
एक आधा खरा हुणा, होर हुणे रुआणे वाले।
खर्च पूरा देआ तुसे आसा जो जमाणे वाले॥
अँझुआ रे लाणे तिन्हा सेहरे हो।
एक दो बालक भतेरे हो॥
वड्डा हुँघा टब्बर ता रोटी भी नी पौणी,
बालू री ता गल छड तिल्ली केते ल्यौणी।
ना सूट तुजो बणना ना पोलड़ी हे औणी॥
सहूकार फिरने चफेरे हो।
. एक दो बालक भतेरे हो॥
एक दो बालका ने आपणा भी भला हा,
बालका रा भला कन्ने देशा रा भी भला हा।
मेरे खा भी देख कमाणे वाला हाऊँ कल्हा हा॥
गत्ती रा हो एक दूर करी देंदा न्हेरे हो।
एक दो बालक भतेरे हो॥

औरत—सच बोल्या तुसें खोल्ही दीती मेरी हाखियां,
हसी हसी कने पीड़ लगी मेरी बखियां।
अक्ला री गलां पर तुसे केते सीखीयां॥
तुसा सांही ख्याल हुण मेरे हो।
बस एक दो बालक भतेरे हो॥

कालज़ुए पीड़ लगदी

ठण्डा पाणी किह्नां पीणा नाल़ू रा, मेरे काल़जुए पीड़ लगदी ।
केजो रज्जी ने सुणाऊँ ज्यूआ री, बस्स इत्थी मेरी है नी चलदी ।।
ठण्डा पाणी किह्नां पीणा नाल़ू रा ... ...

नंगे - नंगे पैर होर् कंडेया रो बाटा
कधी जांदी डंगर्या ने, कधी जांदी घ्राटा, ल्यौंदी आटा
एढ़ा हूँदा जीणा दूए वसा रा
जे जाणदी ता ब्याह नी करदी
ठण्डा पाणी किह्नां पीणा ... ...

भला मेरे बापुआ खरी तैंनी कीती
पाल़ी मतेईये, सौके ब्याही दित़ी—बुरी किती
कुण जाणे हुण पीड़ दूए री
सै ही जाणे जिस जो ये लगदी
ठण्डा पाणी किह्नां पीणा ...

ब्याह करी के मेरी हुई बराबादी
खसम जे मिलेया से मिलेया शराबी—बड़ा क्वाबी
कुण जाणे हुण लगी ज्यूआ री
जाणे से ही जिस जो ये लगदी
ठण्डा पाणी किह्नां पीणा नालू रा
मेरे कालजुए पीड़ लगदी ... ... ।

गंगी

तू ता सुपणे च रोज ग्राम्रोंदी
बैरन हाखी ग्रापणी
जेढ़ी पल-2 खुली लो जांदी

इन्हा हाखियां जो दोष क्या देणा
न्ह्यालप इन्हा जो लगुरी
कधी मिली कने दुखड़ा रोणा

रोई-2 मुकी जाणी जिन्दड़ी
ध्याड़ियां रा चैन मुकेया
राती दूर-2 रैंहदी निन्दड़ी

मेरा दूर ठकाणा हुई गया
जिस्मा रा मोह छडी दे
मेरा दिल हुण तेरा हुई गया

किहां भुलणी से गल्लां मिट्ठियां
उमरां रे बाएदे थे तेरे
हुण लिखी भी नी जांदी चिट्ठियां

तेरी बाताँ हुण सुणी नी जाँदी
जिहां तिहाँ कटी लो देणी
जिन्द, मौत भी मिजो नी ग्राँम्रोंदी

भजन

तू ता राधा कन्ने खेली होली
कृष्ण मुरारी
कोई ता बोले तिज्जो चोरटू कान्हा
कोई बोले गिरधारी
तू ता राधा कन्ने ... ...

ब्रिन्द्राबणा तैं गाइयां चराई,
ग्वालुआँ कन्ने खूब रास रचाई,
बँसी री धुन प्यारी,
तू तां राधा कन्ने खेली होली,
कृष्ण मुरारी

दुर्योधना रा झूठा मान मक्वाया
साग सलूणा तैं विदुरा रा खाया
एढ़ा तू प्रेम पुज्वारी
तू ता राधा कन्ने खेली होली
कृष्ण मुरारी ...

साथ सुदामा रा तैं दीता
द्रोपदी रा किहां मान तैं किता
भक्तां री बेड़ी तैं तारी
तू ता राधा कन्ने खेली होली
कृष्ण मुरारी ..

भारत प्यारा

सभी मुल्खां ते बांका हा म्हारा   भारत देश प्यारा ।
छेहां ऋतुआं रा संगम इथी कुदरता रा बधिया नजारा ।।

(i) झूठ नी थी से गल, थे बोलदे
भारत सोएने री चिड़िया
वीर शिवाजी री धरती ए ही
जिन्हे लंघी सुरगा री सिढ़ियां
सौंह राणा प्रतापा री, किता था
घाह री रोटी ने गुज्वारा
सभी मुल्खाँ ते बाँका हा म्हारा   भारत देश प्यारा ।।

(ii) ए भी सच था म्हारे मुल्खा च
बैंह्दी थी दूधा री नदियाँ
वीर जवान भी घट नी होए
गवाह ही बीती सदियाँ
देशा री अज़ादी खातर जिन्हे
बहाई थी खूना री धारा ।
सभी मुल्खां ते बांका हा म्हारा   भारत देश प्यारा ।।

(iii) म्हारे हिस्से रा कम हा मुश्कल
करना अजादिया रा पैहरा
देश द्रोहियां रा ब्यू नी छडणा
टोली ने गावां होर शैहरा
मिली ने रैहणा कम्म असांरा
एही धर्म हा म्हारा ।
सभी मुल्कां ते बांका हा म्हारा   भारत देश प्यारा ।।

स्यों कसमा

किथी गई स्यों कसमा सारी   किथी गये स्यों वायदे ।
बोल्हाएँ थे मुल्ख ता सुरग बनाणा   रखे थे एढ़े इरादे ।।

रख थे एढ़े इरादे
देशा जो खूब उज्चे लई जाणा ।
बिजली रे लसाके ने मुल्ख चमकाणा
जिह्रां सुहागणी जो बाल़ू पन्य्हाणा ।

जिह्रां सुहागणी जो बाल़ू पन्य्हाणा
ह्रोर घर घर हुणे कारखाने ।
नाजा री कमी नी रैह्णी कधी
भुली जाणे नकाल़ा रे जमाने ।

पर एभे क्या लगीरा हुंदा इथी
फसला जो बाड़ लगे खांदे ।
आपणे हे घरा सिंजी री चीजां जो
आपु ही लगीरे ग्वाँदे ।

चीजाँ लगीरे फुकदे किथी
लगीरी मार कट्वाई ।
पढ़ी लिखी ने भी भुली गए
किह्रां रैंह्दे भाई भाई ।

मुल्ख हा म्हारा दुनियाँ ते न्यारा
इस री शान बढ़ाणी ।
छोटी मोटी गल्लां सारी
बैठी ने आसां मक्वाणी ।

पखेरूए भरी चागा

छैल् हे म्हारे डाल् होर बूटे छैल् ही म्हारी बागा
ठण्डी बागर चलदी इथी पखेरूए भरी चागा
छैल् हे म्हारे ... ...

(i) ह्युँआँ री भरी धारां इथी बैंह्दे डूघे दरयाओ
देवदारा रे बण हे घणे देखी के लगदा चाओ
रोहतांगा ते व्यासा चलदी लाहोला चन्द्रभागा
ठण्डी बागर चलदी इथी पखेरूए भरी चागा
छैल् हे म्हारे ... ...

(ii) रेणुका माई री झील ही बाँकी
रवालसर धजा धारी
म्हारे हिमाचला री रीस नी कोई
सभ जघाह ही न्यारी

नाटी ता गिद्धे रा नौखा नजारा पौंदा नी कोई नागा
ठण्डी बागर चलदी इथी पखेरूए भरी चागा
छैल् हे म्हारे ... ...

(iii) मन्दर देखी ने मन नी भरदा
फलां री नौखी भूमी
सरगा जो छुन्दी उचियाँ धारां
नीले दरयावे चूमी
जित्थी देखो नच्चणा गाणा ढोला रा ढमाका लागा
ठण्डी बागर चलदी इथी, पखेरूए भरी चागा ।।
छैल् हे म्हारे ... ...

नीले पाणिए री झीले

(जल मग्न विलासपुर शहर)

नीले पाणिए री झीले
कई बिछड़े कई मिले
तेरी नौखी कहाणी
तेरा वड्डा डुघा पाणी ।

(i) हाखियां रे अंझू अझें छम-छम रोंदे,
सांढू होर गोहरे री यादां संजोंदे,
नवें टौना बसी ने भी पुराणे जो रोंदे,
आपणे ही साम्हणे आपणी कहाणी ।
तेरी नौखी कहाणी, तेरा बड्डा डूघा पाणी ।।

(ii) खातर तेरे तां असां जो डवोया,
बजुर्गां रा सिंजुरा बाग असें खोया,
असां ने जे होया एढ़ा किसी ने नी होया,
रोई - रोई हुण तेरी गीतियां ही गाणी ।
तेरी नौखी कहाणी, तेरा बड्डा डूघा पाणी ।।

(iii) हुण कित्थी रहे रंगनाथा रे मेले,
गासियां रो खड्ड पंजरुखिया रे केले,
सैरा रे बहाने दंदयूटिया रे फेरे,
मुकी सारी गलां हुण यादां ही आवणी ।
तेरी नौखी कहाणी, तेरा वड्डा डुघा पाणी ।।

बरसात लगुरी

कधी धुप्प कधी टल्ला बदला रा चढ़ूरा।
इसे कुदरते भी क्या ये नजारा घड़ूरा।।

मुके गरमी रे ध्याड़े बरसात लगुरी,
हरी छल्लियां रे दाणेयां री आस लगुरी,
जित्थी देखो करसाणिया री कायैंस लगुरी,
कद्दू कक्कड़ी घंडोली रा सलूणा चढ़ूरा।
इसे कुदरते भी क्या ए नजारा घड़ूरा।।

रैंह्दी नन्द बरसातिया च त्यहार मनाणे री,
रैंह्दी नन्द खूब पींघा रे राग गाणे री,
रैंह्दी नन्द खूब भुज्जी होर पतेहड़ू खाणे री,
औणी सैर हुण धाना रा बूटा भरूरा।
इसे कुदरते भी क्या ये नजारा घड़ूरा।।

इसा बरसाता च रैंह्दे सारे खूब डरी के,
कीड़े गुज्जुआं रा डर हुंदा खूब करी के,
कोई लंघदा सन्हाईया ने ता कोई तरी के,
खड्डे रुढ़वाईता कोई हा कनारे खढ़ूरा।
इसे कुदरते भी क्या ए नजारा घड़ूरा।।

म्हारे मुलखा च बरसाता रा रंग न्यारा हा,
चहुं पासे जित्थी देखो सभ हरा भरा हा,
नाज देणे वाला मौसम ए सभी ते प्यारा हा,
इस नाजा रे हे आसरे संसार पलूरा।
इसे कुदरते भी क्या ए नजारा घड़ूरा।।

तेरा बछोड़ा

तेरा बछोड़ा किहां करी सैहणा ।
जिहां तिहां सैहणा किसी ने नी कैहणा ।।

(i) पल पल यादां तेरी आवंदी रैंहदी,
अँझुआँ री झड़ी बरसाँदी रैंहदी ।
दुखड़ा ज्यूए रा किहां करी सैहणा,
जिहां तिहां सैहणा किसी ने नी कैहणा ।।

(ii) वाट तेरी देखी-देखी हाखियाँ भी हारी,
रोई-रोई दिन कन्ने रातियाँ गुजारी ।
मेरे हाणिया तेरे बिना किहाँ रैहणा,
जिहां तिहां रैहणा किसी ने नी कैहणा ।।

(iii) भुली गईयाँ हुण से मिलणे री रातां,
चानणी री छावाँ हेठ हुन्दियां थी वातां ।
साता जन्मा तक न्यहालदे ही रैहणा,
जिहां तिहां रैहणा किसी ने नी कैहणा ।।

तेरा बिछोड़ा किहां करी सैहणा ।
जिहां तिहां सैहणा किसी ने नी कैहणा ।।

इन्तज़ार ग्रड़िए

तेरे ग्राग्रोणे रा नी हुण इन्तज़ार ग्रड़िए।
तू ता सस्ते च भूली दिता प्यार ग्रड़िए॥

सौखा लगाणा दिल, कठण नभाणा,
किधी जो था तुध ये, खेल रचाणा।
केढ़ी कसमा थी खाधी बेसमार ग्रड़िए,
तू ता सस्ते च भूली दिता प्यार ग्रड़िए॥

दुनियां री रीत नभाणी ही पौंदी,
सच्ची बातां झूठी भी जताणी ही पौंदी।
हुण दूए जन्मा रा करार ग्रड़िए,
तू ता सस्ते च भूली दिता प्यार ग्रड़िए॥

भूली ने भी मेरा किथी जिकर नी करना,
मेरा हाल जेढ़ा हुँधा कधी फिकर नी करना।
दुःख होवे मिंजो, खुशी तेरे द्वार ग्रड़िए,
तू ता सस्ते च भूली दिता प्यार ग्रड़िए॥

मैं मेले जो किहां जाणा

मेरे चादरू जो किंगरी लग्वाई दे
मिंजो नवां जे सूट स्याई दे
मैं मेले जो किहां जाणा ।
मेरे चादरू जो किंगरी

सौकण मेरी टोके लांदी,
कन्ना च कांटे तू कैहं नी पांदी ।
मेरे कन्ना जो कांटे तू ल्याई दे,
मिंजो नवां जे सूट स्याई दे...
मैं मेले जो किहां जाणा

नणद मेरी गलां लांदी
पैरे पंजेब तू कैहं नी पांदी ।
मेरे पैरे पंजेब पन्य्हाई दे
मिंजो नवां जे सूट स्याई दे ।
मैं मेले जो किहा जाणा ... ...

साथण मेरी तान्हे देंदी
खसमा ते गैहणे तू कैहं नी लैंदी
मिंजो सारे लो गैहणे घड़ाई दे
मिंजो नवां जे सूट स्याई दे
मैं मेले जो किहां जाणा
मेरे चादरू जो किंगरी लग्वाई दे ... ..

ग़ज़ल

बाज आए असें हुण दोस्ती तम्हारीया ते ।
न्ह्याली-2 डर लगेया हुण राती न्ह्यारीया ते ।।

सरगा री छांवां थल्ले तिज्जो याद करी के,
बद्दलां रा सारा पाणी हाखियां च भरी के ।
हर पल देखदी तेरी बाट पहाड़िया ते,
न्ह्याली-2 डर लगेया हुण राती न्ह्यारीया ते ।

तिजो ता भुल्वाणा हुण गल नी ही बसारी,
हीर रांझे वाली हुण हालत ही असांरी ।
किहां छुटकारा पाईये दिला री बमारीया ते,
न्ह्याली-2 डर लगेया हुण राती न्ह्यारीया ते ।।

बाज आए असें हुण दोस्ती तम्हारीया ते ।
न्ह्याली-2 डर लगेया हुण राती न्ह्यारीया ते ।।

गज़ल

कास जो थी किती तैं गल्लां मिठी मिट्ठियां।
दिल ही था तोड़ना ता लिखी कैंह थी चिट्ठियां।।

धोखा कैंह तू किता मिंजो ज्यूदां मारी दिता,
सुपने मैं देखी तेरे, जग हारी दिता।
मानदारिया रे बट्टे तैं बेईमानी कितियाँ,
दिल ही था तोड़ना ता लिखी कैंह थी चिट्ठियां।

छड मेरी गल मेरा फिकर नी करना,
भूली ने भी याद औंघी अँभू तै नी भरना।
डूबदे सूरजा री पूजा किने कधी कितियां,
दिल ही था तोड़ना ता लिखी कैंह थी चिट्ठियाँ।

कास जो थी किती तैं गलाँ मिट्ठी मिट्ठियां।
दिल ही था तोड़ना ता लिखी कैंह थी चिट्ठियां।।

लोरी

सई जा मुन्नुआ — सई जा माँउआँ,
चन्दे मामे रीया छाँवां।
सई जा ... ...

घीऊ भी देणा
दूधू भी देणा
मिठ्ठू भी तिज्जो खुलावाँ — चन्दे मामे रीया छावाँ।

मुन्नू असां रा
सभी जो प्यारा
मामे नाने री
हाखी रा तारा
सुखना मैं तेरी चढ़ावां — चन्दे मामे रीया छावां।

बापू जे तेरा
कम्मा जो गऊरा
मिजो भी करने जो
कम्म हा पऊरा
लोरी मैं तिज्जो सुणावां — चन्दे मामे रीया छावाँ।

मेरे हाणियां

नीले-2 सरगा च भीड़ तारेयां री ।
एढ़ी बेला इक घड़ी आयां ओ मेरे हाणियां ।।

भरीया जवानियाँ च कल्ही छड्डी गया तू,
दिल लाई कने मिंजो रोंदी छड्डी गया तू ।
हाखी मेरी सोखणी तेरे लारेयाँ री,
एढ़ी वेला इक घड़ी आयां ओ मेरे हाणियां ।
नीले-2 सरगा च ... ...

पता नी हां तिज्जो केढ़ी हालत ही दिला री,
डालि़यां ते लग जिहां कदर नी फूला री ।
किस जो सुणवाऊँ है नी आस ढौरेयां री,
एढ़ी बेला इक घड़ी आयां ओ मेरे हाणियां ।

नीले 2 सरगा च भीड़ तारेयां री ।
एढ़ी बेला इक घढ़ी आयां ओ मेरे हाणियां ।।

ठुमरी

जिंदे नमाणिए मेरीए
तू आज मत रोंदी ।
किसी जो याद नी तेरी
उदास मत होंदी ॥
जिंदे नमाणिये मेरीए ... ...

पीणा बुरा नी हुंदा, बुरे से
जे खून दूजे रा पींदे ।
मरना बेहतर उस जीणे ते
जेहड़े आपणी खातर जींदे ॥
जिंदे नमाणिए मेरीए ... ...

दिल लाई ने चैन गंवाया
हुण आँभू ग़मा रे पींदे ।
टोके लांदे अपणे बगाने
पर ज़ख्म नी कोई सींदे ॥
जिंदे नमाणिए मेरीए ... ...

यादां तरसांदी

तौंदिया री धुप्पाँ बरसाती दीयाँ रातियाँ
तुध बिन कटणी मुश्कल् जाँदी
भुली ने तूनी भुलदी पई जांदी गसियाँ
हुई तू बगानी पर दिला ते नी जाँदी
तौंदिया री धुप्पाँ — —

पीपल़ा रा टयाल़ा होर अम्बिया री पींघाँ
याद करी करी हुण कुण कीहाँ जींघा
डंगरेया री वाटाँ तेरी यादाँ दलांदो
हुई तू बगानी पर दिला ते नी जाँदी
तौंदियाँ री धुप्पाँ — —

हुन्दा क्या बछोड़ा मैं ता अंझुए ने लिखेया
किसी जो भुलाणा किहाँ किसते तैं सिखेया
सारी तेरी कसमा नोची नोची खाँदी
हुई तू बगानी पर दिलाँ ते नी जाँदी
तौंदिया री धुप्पाँ — —

सुपने नी सच्चे हुन्दे हुण मैं ये जाणेया
कागजा रे फुलाँ रा रंग मैं पछ्याणेया
हुण क्या मल़ेखा तेरी यादाँ तरसाँदी
हुई तू बगानी पर दिला ते नी जाँदी
तौंदिया री धुप्पाँ — —

विदाई

ब्याही दिती परदेस दर तेरा छडणा पया
बापू मेरेया — दर तेरा छडणा पया ।
चली मैं बगानड़े देस घर तेरा छडणा पया
अम्मा मेरीये — घर तेरा छडणा पया ॥

आँगण तेरे मैं खेल्हाँ पाईयाँ
साथणिया कन्ने खूब पींघा गांईयां,
गुड्डे गुड्डियाँ रे ब्याह् रचाई ने,
आपणा भी बदलेया भेष
घर तेरा छडणा पया ॥

मत रोंदा वीरा मेरे, भैणा री खातर,
भैणा ता हुन्दियाँ भेजणे री खातर,
रखड़ी री लाज छड्डो तेरे हवाले,
ह्ाऊँ ता चली परदेश दर तेरा छडणा पया ॥

लई चले बापूआ मुल्ख पराये,
ढोल नगाड़ेया ने भिजो नेणे आये,
अँभू मत भरदी अम्मा जी तू मेरोए,
बेटी तेरी चली परदेस ।
घर तेरा छडणा पया ॥

अँझू कित्ते आये

सोखणिया हाखियाँ च अँझू कित्ते आए ।
जितना संभालूं मोये बगी बगी जाए ।।

तारे गिणी गिणी भी ता बगत नी कटदा,
तेरा परछाँवा मेरे अग्गे ते नी हटदा,
जितना भुल्वाऊँ पर होर याद आए ।
सोखणियाँ ... ...

तान्हेया री झड़ी हुन्दी टोकेयां री बरखा,
याद करी करी तिज्जो मन हुन्दा गरका,
मुल्ख बगाना हुए आपणे पराए ।
सोखणियाँ ... ...

भाग हे आपणे मिलणा से मिलणा,
दुखड़ा ज्यूआ रा किहाँ सिलणा ता सिलणा,
बिछड़ी गये ज्यों थे दिला च वसाए ।

सोखणिया हाखियाँ च अँझू कित्ते आए ।
जितना संभालूं मोये बगी बगी जाए ।।

जैं मैय्या टारना

जै मैय्या टारना मण्डी तेरे चरना।
भक्तां रा बेड़ा मैय्या तुध पार करना।

उच्चे जे पहाड़ा माता भवन हा तेरा,
दर्शन करने जो पांदे सभ फेरा,
सभणी रा दुःख मैय्या तुध दूर करना।
जै मैय्या टारना मन्डी तेरे चरना॥

एक एक पौड़ी तेरा नांव लई चढ़दे,
आपणे सुखा जो रोंदे तेरे द्वार पड़दे,
भक्तां रा दुःख माता तुध हुण हरना।
जै मैय्या टारना मण्डी तेरे चरना॥

दूरा दूरा ते मैय्या जातरू जे आओंदे,
सुखना रे फूल तेरे चरना चढ़ांदे,
तेरे आसरे माता जीणा होर मरना।
जै मैय्या टारना मण्डी तेरे चरना॥

भक्तां रा बेड़ा मैय्या तुध पार करना।
जै मैय्या टारना मण्डी तेरे चरना॥

बाँका जीणा हिमाचला रा

इत्थी झर झर झरने वैंहदे,
इत्थी लोक मिली जुली रैंहदे,
इत्थी फिकर नी किसी गला रा ।
बाँका जीणा हिमाचला रा ॥

घणे घणे वण इत्थी
हरी भरी डोहरियाँ,
कैल चील द्योदार
गाई जाँदे लोरियाँ,

इत्थी शोभला नजारा झीला रा ।
बाँका जीणा हिमाचला रा ॥

उचे उचे जोत इत्थी
डूघी डूघी नदियाँ,
बिजली बणाई ने
पली जाणी सदियाँ,

इत्थी जघा जघा बाग फला रा ।
बाँका जीणा हिमाचला रा ॥

भारत देशा रा ताज हिमाचल,
नजराँ च सभीरे आज हिमाचल,
इत्थी घाटा नी हा किसी गला रा ।
बाँका जीणा हिमाचला रा ॥
इत्थी झर झर ... .

मुकी जाणी जिन्दड़ी

आस नी मुकदी मुकी जाणी जिन्दड़ी ।
किसी जो नी पता कित्थी रूकी जाणी जिन्दड़ी ।।
आस नीं मुकदी... ... ...

वडो वडी मेदां करी बाग लगांदे,
खून पसीने कने इस जो सजाँदे,
सच भूठ बोली ने टाहलू जोड़ी जोड़ी ने,
भूली जाँदे किस जो ताणी वाणी खिन्दड़ी ।
आस नो मुकदी... ... ... ।।

सिखर दपैहरे कधी चैन नी पाई,
काल के ध्याड़े री आस लगाई,
काल किन्ने देखेया काले तू मड़कया,
हंस उड़ी गया आज एढ़ी आई निन्दड़ी ।
आस नी मुकदी... ... ... ।।

भूठी मोहमाये भोया एढ़ा तू भरेलेया
आपणी ही ममते एढ़ा तू सखेलेया,
खरा काम करना नी जिहाँ कधी मरना नी,
मेरा मेरी करदे ल्हुखी जाणी जिन्दड़ी ।
आस नी मुकदी... ... ... ।।

आई गया होश छोरीए

साथण - बड्डी बुरी लत हुँदी पीणे री, शराब मत पींदा छोरूआ ।
जे लैणी नन्द तुध जीणे री, शराब मत पींदा छोरूआ ।।

साथी - मैं ना पी लैणी रज्जी-2 के, मिजो मत रोक छोरीए ।
मैं ता जी लैणा गज्जी-2 के, मिजो मत टोक छोरीए ।।

साथण - हुन्दी तबाही शराबा री बमारिया ते,
उजड़े करोड़ाँ इसा इल्लता नकारिया ते ।

साथी - जीणा मुश्कल शराब छड्डी के, मिजो मत रोक छोरीए ।
मैं ना जी लैणा गज्जी-2 के, मिजो मत टोक छोरीए ।।

साथण - हत्वे खाई के कैंह तू खून सकोंदा,
तेरा बापू तिज्जो देखी कर्मां जो रोंदा ,

साथी - मेरे कर्मा च पीणी रज्जी के, मिजो मत रोक छोरीए ।
मैं ना जी लैणा गज्जी-2 के, मिजो मत टोक छोरीए ।।

साथण - जे तुध जिद्द करनी ना इक गल सुणी लै,
नशा तैं नी छड्णा ना होर कुड़ी चुणी लै,

साथी - मत जांदी मुईये मिजो छड्डी के,
छड्या नशा आया होश छोरीए ।
दम्मूँ काल्जा मैं तिज्जो कढी के,
भेज्या नशा परलोक छोरीए ।।

साथण - शराब मत पींदा छोरूआ...

साथी - आई गया होश छोरीए... ...

टैपे अंझुआँ रे

टैपे अँझुआँ रे इहाँही ना डोल़दी मुईये।
कित्थी औखत तू इन्हारी टोल़दी मुईये ॥

तेरी हाखियाँ च घर मेरे दिलड़ुए रा,
मत अँझुआँ ने दिल मेरा रोल़दी मुईये।

मेरा ज्यू तेरे प्यारा ते सोखणा रैह्या,
कैंह् नी इस जो तू अँझुआं च घोल़दी मुईये।

तेरे नैणा री भ्रीउंआँ री छावाँ पलदा,
मेरा दिल, कित्थी इस जो तू टोल़दी मुईये।

जधी भुली ने झमाका तिज्जो मेरा दिसघा,
मत हाखड़ु जो फेरी कधी खोलदी मुईये।

टैपे अँझुआँ रे इहाँही ना डोल़दी मुईये।
कित्थी औखत तू इन्हारी टोल़दी मुईये ॥

चार दिन जिंदड़ी रे हासी खेल्हो कटणे
दिला रे मलेखे असां दूर जाई सटणे

अच्छर सिंह परमार

दूसरा भाग
(पृष्ठ 43 से 83 तक)

आसारा हिमाचल

आसा रे हिमाचला री शान निराली ।
देग्रो देवी देन्दे घरा घरा खुशहाली ।।

व्यास मनु मारकण्ड ऋषियां री प्यारी,
रांझू भुंकू कुंजुए री गलां प्यारी प्यारी,
भादरां रे हौसले भी सब लोक जाणदे,
इन्हा रीग्रा भादरी जो बैरी पछ्याणदे,
हर एक एथी एस बागा रा है माली ।
देग्रो देवी देन्दे घरा घरा खुशहाली ।।

मण्डी कुल्लु घुमी कने पुजणा मनाली,
ढोल बाजे कने जिथी नच्चे डाली डाली,
झुरी गंगी गाणी कने नाचणियां नाटियां,
हासी नाची काटणियाँ काली-2 रातियां,
प्यार परेमा ते नी है कोई खाली ।
देग्रो देवी देन्दे घरा घरा खुशहाली ।।

चम्बे रा चौगान जित्ते मिंजरा लगोरी,
छम छम छम गोरी मेले जो चलोरी,
सेउम्रां रे बगीचे जड़ी बूटी रे खजाने,
इसा धरती जो मिले बड्डे नजराने,
फुलां री परात कधी हुणी नी ये खाली ।
देग्रो देवी देन्दे घरा घरा खुशहाली ।।

किन्नर कैलाश होर जोत धौली धारा रे,
नदियां सनेहे देन्दी बिजली री तारां रे,
गभरू सजीले इथी छैल बांकी गोरियां,
ठण्डी ठण्डी पौण गान्दी मीठी-2 लोरियां,
दूरां तक हाखी—अगे छाई हरयाली ।
देग्रो देवी देन्दे घरा घरा खुशहाली ।।

झीला री सैर

चढ़ी आया पाणी देख कुँगरे ता साण्ढुए,
झीला री करी लैणी सैर हाए जानी।
झीला री करी लैणी सैर ॥

अन्दले री धारे नी तू कासो सीधी खढ़ुरी,
नपी कने देखो लै तू झील केढ़ी भरूरी।
चिटे चिटे बदलां रा चादरू ढखी लै ॥
लम्मा घुण्ड कढी लै
झीला री करी लैणी सैर हाय जानी ॥

झीला रे इक कण्ढे बाँका सैहर बसूरा,
चिड़ियां रे डारां कने अम्बर भी भरूरा।
नालेआं रे नौणे आसां बेड़ियां च बैठणा।
संझा घरें हटणा
झीला री करी लैणी सैर हाय जानी ॥

बिजली गरागड़े

ब्ररखा री छम—छम मिंजो ता डरान्दी ।
धारा री ए धुई मुई डसणे जो औन्दी ।
मा नी रैहणा कल्हे मिंजो लई चल सौगी हो ।।

बिजली गरागड़े मिंजो हाखी दसदे,
धारा रे यो ग्वालू मुए मिंजो देखि हसदे ।
डांगर्‌या रा स्यापा बुरा छापरा रा चोड़ा बुरा,
लई चल सौगी मेरे मौजी हो ।
मा नी रैहणा कल्हे मिंजो लई चल सौगी हो ।।

घा किहां बाढ़ू मिंजो कीड़े गुजु डंगदे ,
नांगे पैरे जाणा जगे जगे काण्डे चुभदे ।
पाणिए रा नालू देख, पैरा रे ये छालू देख ,
लई चल सौगी मेरे फौजी हो ।
मा नी रैहणा कल्हे मिंजो लई चल सौगी ओ ।।

सुफना डरौणा

माए ! मैं देख्या इक सुफना डरौणा ।
इक जोगी आया तिनें झोली फलाई,
से अगें अगें बधेआ मैं पीछे हटी आई ।
छैल बांका गभरू लमे केश जटा धारी ,
हाखियां च देख्या मैं कम्बी गई सारी ॥

पैनी पैनी नजराँ ने मंगदा था भिछेआ ,
खाली हाथ थी मैं बोल्या जा ! तू किते होरती जा ।
बड़ा जिद्दला था बोले कालजा या दिल दे ,
एड़ा हुआ टूणा मेरे होठ नी थे हिलदे ॥

पैनी छुरिया ने कढ्या कालजा मैं आपणा ,
पाया खाली झोलिया च तन हुआ सखणा ।
बगे नाल लोहुए रे हासदा था लोभी ,
मैं करलान्दी रही चली गया जोगी ॥

पता नी हां केढ़ा दुख मिजो आई पौणा ।
माए ! मैं देख्या इक सुफना डरौणा ॥

शिमले री धारे

ग्रम्बरा जो छुन्दिए तू शिमले री धारे ।
तुध कने हुन्दे म्हारे दुख सुख सारे ।।

ठण्डी ठण्डी ह्वा तेरे जंगलां च चलदी ,
नवीं जिन्दगानी तेरे पाणिए ते मिलदी ,
कालजु जो छुई लैन्दे वांकड़े नजारे ।
तुध कने हुन्दे म्हारे दुख सुख सारे ।।

ह्यूंदा रीया रीता तांजे तिजो सीत लगदा ,
दुधा साहीं पाटू तिजो बर्फा रा मिलदा ।
ढकी लैन्दी जिसमा जो पाटू कने सारे ।
तुध कने हुन्दे म्हारे दुख सुख सारे ।।

जुग मुकी गए किते ग्रावंदी न जान्दी तू ,
खढ़ी कने गोदा बिच ग्रासां जो खलान्दी तू ।
किहां तेरा करजा देईए ग्रासे ह्ारे ।
तुध कने हुन्दे म्हारे दुख सुख सारे ।।

सुण भाईया करसाणा

सुण भाईया करसाणा तेरी डोरियां च आई वहार ओ ।
मेहनत करना धर्म हा तेरा तू मत हिम्मत हार ओ ।।

तेरा खून पसीना वगदा मण मण दाणे पजदे ,
तू जे मेहणत करदा सारी दुनियां रे माहणू रजदे ,
जिसा जगा जो तू हाथ पान्दा हरे हरे खेतर सजदे ।
आईजा मिंजो सुरग बणा तू सुण मिटिया री पुकार ओ ।
मेहणत करना धर्म हा तेरा तू मत हिम्मत हार ओ ।।

तेरे हला विच इतना जोर जे चलदे ता सिउना पजान्दे ,
तेरे हाथा रे इक इक छालू नाजा रे ढेर लगान्दे ।
तेरे साथी बैल यो चलदे चलदे भी गिद्दा पान्दे ,
सावास ओ धरती रे पुतरा राजी रैह साल हजार ओ ।
मेहणत करना धर्म हा तेरा तू मत हिम्मत हार ओ ।।

म्हारे बीर

म्हारे बीर हदां पर जान लगान्दे ।
मरी मिटी कने सारे सुख देई जान्दे ॥

धन धन वीरो तुसे किती कुरबानियां ,
गोली अगे देई दिती अपणी जवानियां ।
बैरिए जो मारि कने नांव कमान्दे ,
मरी मिटी कने सारे सुख देई जान्दे ॥

तुसा साहीं भगत ता किते बनी दिसदे ,
होर ता चढ़ान्दे फुल तुसे खुन सटते ।
तुसा रे ही गुण आज पत्थर भी गान्दे ,
मरी मिटी कने सारे सुख देई जान्दे ॥

मुलखा रे खातर सब कुछ सही गै ,
भूखे प्यासे जंगलां ता कण्डेयाँ च रही लै ।
मावा रे दूधा री लाज बचान्दे ,
मरी मिटी कने सारे सुख देई जान्दे ॥

जै जगतारनी

उच्ची धारा वर्सदिए जै जगदम्बे ।
जै जगतारनी जै माता अम्बे ।।

जिने तेरा नांव लैया तिने सुख पाया ,
सब दुख मिटी गै जिने गुण गाया ,
तेरा नांव पार लगान्दा जगदम्बे ।
जै जगतारनी... ...।।

तेरे चरणा च माता सीस झुकान्दा मैं ,
धजा ते नरेल माता भेंट चढ़ान्दा मैं ।
मेरा कारज पूरा कर माता अम्बे ।
जै जग तारनी... ... ... ।।

तेरे चरणा रा माता आसरा जे मिलेआ ,
धूड़ी विच कण्डा वी ता फुल वणी खिलेआ,
तेरी माया न्यारी माता जै जगदम्बे ।
जय जग तारनी जय माता अम्बे ।।

हासी के न टाल़ गोरिए

गल्लां मेरे प्यारा रीयां ,
दिला रे करारा रीयां ।
करी लै तू करी लै सम्हाल़ गोरिए ।
हासी के न टाल़ गोरिए ॥

पल-पल जिन्दड़ी मुकी मुकी जाणी ,
चढ़दी जवानी फेरी हटी के नी औंणी ।
चार दिन फुल खिले फेरी माटिया च मिले,
सब कुछ खाई जान्दा काल़ गोरिए ।
हासी के न टाल़ गोरिए ॥

बांके तेरे होठड़ु नो दन्द चम्बे कलियां ,
गासला ही जाणे तेरी हाखी किहां बणियां ।
मैं भी छैल़ गभरू नी
इक काम कर तू
प्यारा पंछी पिंजरे च पाल़ गोरिए ।
हासी के न टाल़ गोरिए ॥

एक भतेरा

जनमा जनमा रे मिटी जाणे न्हेरे ।
इक चन्द चढ़ी आया आँगणा च मेरे ।।

टिम टिम द्युलि़याँ करदी रैहन्दी,
सूरजा रे ओचणे ते आँवदे सवेरे ।

सिम्वला़ रे दस फूल बास नी देन्दे ,
छैल़ फुल फुली गया बागाँ विच मेरे ।

पढ़ी लिखी जाओ बस एक भतेरा ,
दुख दूर करी देणे हुण एस तेरे ।

बड्डे रौले़ बुरे हाल हुई जान्दे ,
कल़हा पई रैहन्दी संझ सवेरे ।

ये गल आज सब लोक सुणी लौ ,
बडे टबरा रे घर भुखेआं रे डेरे ।

आए परौहणे

किस किस मुलखा ते आए परौहणै ,
ढोल ता नगारे लग्या अम्बर भी वजणे ।

रिमझिम लगियाँ बरखा री झड़ियां ,
खेत भरे पाणिए करसाण लग्या हासणे ।

उचें—उचे पीपल् पीघां जे पईयाँ ,
सखियां सहेलियां पिघां लगी झुटणे ।

ठण्डे ठण्डे पाणी कने नाल् धार न्हौंदे ,
खड्डाँ लगी रूणझुण रूणझुण नचणे ।

छुटी गया दिलड़ू चढ़े आ समाणा ,
उड़ी गया हवा कने मुलख बगाने ॥

गड्डी रोक ओ डलेबरा

मेरी गल सुण गड्डी रोक ओ डलेबरा ।
माँ भी जाणा मेले गड्डी रोक ओ डलेबरा ।।

कन्त मेरा दूर परदेस मेरी जान ओ ,
देओर मेरा बैरी ता जठाणी बेईमान ओ ।
आज जाणा शहर गड्डी रोक ओ डलेबरा ।।

सौ रपै रा सूट मेरा नथ तिन तोले़ री ,
पैन्हणियाँ बंगां मौज लैणी ह्ण्डोले़ री ।
तू भी गायां गंगी गड्डी रोक ओ डलेबरा ।।

ब्डोली़ धार इक कण्डे बन्दला भी सजुरा ,
बिच म्हारा शहर बांका होर मेला लगुरा ।
धौलरे भी जाणा गड्डी रोक ओ डलेबरा ।।

गिद्धा पाणा मेले बिच खाणी जलेबी ,
घरा जो भी ल्यावणी होर देणी तीजो भी ।
मिंजों मिल्याँ मेले गड्डी रोक ओ डलेबरा ।।

तेरा डेरा पुछेआ

चिड़ुआँ पखेरूआं ते तेरा डेरा पुछेआ।
सभी दूर दसेआ ओ बड़े दूर दसेआ।।

सजी गई फूलां कने आरनी री डालियाँ,
प्युली प्युली नचदियां सरूआँ री क्यारियां।
हाड़ा रा करार था ओए देख सौण मुकेआ,
सभी दूर दसेआ ओ बड़े दूर दसेआ।।

बंसिया री तान सुणी पारलिया धारा,
हाऊँ बोलूं सभी कने आया मेरा प्यारा।
लगेआ भलेखा मेरा बड़ा दिल जलेआ,
सभी दूर दसेआ ओ बड़े दूर दसेआ।।

सब लोक घरा आए दस की नी आया तू,
आद तिजो हैनी औंदी मिंजो भुली गया तू।
सौणा री सगन्द तिजो जे तू हुण रूकेआ,
सभी दूर दसेआ ओ बड़े दूर दसेआ।।

न्ह्याल़प

तिजो न्ह्याल़ी-2 कने जिन्द मुकी जाणी ओ।
जधी तुध सुझणा से घड़ी कधी औणी ओ ।।

छैल़ फुल तोड़ना ता सब लोक जाणदे,
केढ़ी लगी डाल़िया जो कुन्हिए नी जाणी ओ।

आंझुएं बी धोखा दिता ब्हरी-2 मुकी गै,
सुकी गई हाखी हुण मुकी गया पाणी ओ।

बेईमान कूकुआ तैं केढ़ा गीत गाई ता,
काल़जे री पीड़ आज होर बधी जाणी ओ।

एक गल बोलूं जे ता मत बुरा मनदे,
कुसी जो नी औंदा किहां जिन्दड़ी नभाणी ओ।

कालजे रा दाह

सजन परदेसी तिजो हिक्का कने लाई लूं ।
कालजे रा दाह एक पल ता बुझाई लूं ।।

रूसेग्रा संगार मेरा होठड़ू भी सुकी गै,
जेठा रियां धुपां बिच नैण मेरे दुखी गै,
बुझ दिया जोता जो दो घड़ी ता जलाई लूं ।

हरे भरे बाग मेरे ह्वासिया च डूबी गै,
तोता मैना मोर सब गमा कने दभी गै,
ग्राज इन्हा सभी ते बधावा मैं ग्वाई लूं ।

पौण कठोलू चढ़ी ग्राया मेरा प्यारा,
तान छम छम लगी बजेग्रा नगारा,
ग्रापणी जवानियां जो फूलां ने सजाई लूं ।
कालजे रा दाह एक पल ता बुझाई लूं ।।

रोस मलेखा

लड़की — मेले मिली जायां नईं ता पतना देई देणी छाल् ।
भुली देख्यां जान्दा नईं ता डैमा च देई देणी छाल् ।।

सब-2 लोक मिली मेले जो जान्दे,
दिला रे गुवार से गंगिया च गान्दे ,
मिलणे रा थोड़ा झेग्रा टैम ता नकाल् ।
मत भूल्यां वैदा नईं ता डैमा च देई देणी छाल् ।।

भरीया जवानियां रा कुछ ता ख्याल कर ,
मुकणे जो ग्राया साल हुण ता सम्हाल कर ,
बहानेग्रां वणाई कने मिंजो मत टाल् ।
मत भूल्यां वैदा नईं ता डेमा च देई देणी छाल् ।।

लड़का—ग्रो गोरिये ! दिल न जलायाँ मैं पुजणा जरूर नी ,
छुटी नईं मिली दस मेरा क्या कसूर नी ,
बड़ा डुघा वगदा नी पतना रा पाणी ,
गोरीए जवानी तेरी मछिएं ही खाणी ।
लगणे नकाके तेरा हुण बुरा हाल नी ,
ग्रापणा ता छड तिजो मेरा भी खयाल नी ।

थूकी दे जल्वाट कढ दिला रा गुबार ।
पुजेया करारा पर पतना ते नईं देणी छाल् ।।

बचारा आँझू

हाखियां ते रूढ़देया, खूना रेया अंझुआ ।
आगी पर मत पौन्दा, तिजो सेक लगणा ॥

हटी जा तू दिला जो, जेथी था तू बसेआ,
कुण भेती मिल्या तिजो, किने पैण्डा दसेआ ।
चीज तू बगानी देख, मिंजो पाप लगणा,
आगी पर मत पौन्दा, तिजो सेक लगणा ॥

उमरा रीं सौग तेरी, छडी मत जान्दा तू ।
मौके बे मौके, मिंजो काम औन्दा तू ।
जग होया बैरी देख, कल्हा किहां छडणा ।
आगी पर मत पौन्दा, तिजो सेक लगणा ॥

यादां रा परछावां

ढलदे ही सूरज लम्मा परछावां,
नेड़े नेड़े औन्दा पर पकड़्या नी जान्दा ॥

कितना भी बचूं पर पीछा नहीं छडदा,
लाख फटकारेया रती नई डरदा।
न कुछ बोलदा न बोलणे देंन्दा,
सौगी चफेरे लिपटेआ रैहन्दा।
दिल धक—धक करे साह फूली जान्दा।
नेड़े — नेड़े औन्दा... ... ...॥

कई वारी सोचेआ ये क्या हुणे लगेआ,
किन्ही बैरिए कोई टूणा ता नी कितेआ।
चिड़िआ रे डार सब आई गए घरा जो,
एढ़े मौके मिंजो तड़फाई मुआ जान्दा।
नेड़े — नेड़े औन्दा... ... ...॥

दिलड़् लगाणे रा एही रोग खटेआ,
आपू गए दूर मिंजो खूहा बिच सटेआ।
ये परछावां नाग बणी बणी डसदा,
अपणे पलेस जोरो जोर मुआ कसदा,
मारघा भी डन्ग चुप गुप सैही लैन्धा।
नेड़े नेड़े औन्दा ... ...॥

दलासे

लड़की— हां ओ मिन्जो देई गया झूठे दलासे ।
लगदा नी ज्यु मेरा जाऊं किस पासे ।।

लड़का— तू रूसी गई नी ता जिउन्दे नी आसे ।
लगदा नी ज्यु मेरा जाऊं किस पासे ।।

लड़की— जाणे परमेसर तू किथी लुखेआ ,
तेरियां निहाल्पा च खून मेरा सुकेआ ।

लड़का— दसो जाओ लाज कोई मेरेआं दुखां रा,
आपणियां आगी बिच दिन रात जल्दा ।

लड़की— मेरी झूठी मेदा जो देई जा तसल्लियां,
हुण बैरी करदे गल्लां दिल जलियां ।

लड़का— इक गल आज तिजो साफ-2 दसूं नी ,
भूली जाऊं तिजो कधी मेरा भी बस नी ।।

लड़की— हां ओ मिजो देई गया झूठे दलासे ।
लगदा नी ज्यु मेरा जाऊं किस पासे ।।

डंग काली़ राती रे

बरसे छमाहिएं तुध फेरा पाणा।
दसी जायां दिलड़ू आसां किहां लाणा।
ओ साथिया ॥

रित औन्दी जान्दी तेरा सुख न सनेहा,
बुरे बुरे सुफने ता दिल रोन्दा रैहा,
आपणा बगाना सब बैरी हुआ सारा जग,
दुख पापी दिला रा किस जो सुनाणा।
ओ साथिया ॥

काली़ राती नागणिए डण्ग मारे इतने,
अम्बरा च तारे कने फूल बागां जितने,
इक बारी आई जा जैहर बुझाई जा।
खून औन्दा आंझुएं कितना छुपाणा।
ओ साथिया ॥

भर बरसाती

भर बरसाती बिच तेरी बाट देखदी ।
सारा दिन देखदी ता सारी रात देखदी ।।

सब मेले होई गै, बसोआ भी मुकेआ,
तिजो याद करी कने, दिलड़ू भी सुकेआ,
आज तेरी बुरी लगी कालजू जो छुरी लगी ।
चन्दे खा देखदी ता तारेआं खा देखदी ।
सारी रात देखदी ता सारी रात देखदी ।।

खाडे नी तू सूकी जायां बाट देख्यां रोकदी,
द्युलिए तू लोय कर्यां, पीछे देख्यां हटदी,
देख बरसात आई, तू भी आज जायां आई ।
सेर लोहू सुकदा जे दो दो पंछी देखदी ।।
कल्ही मुई रोन्दी रोन्दी तेरी बाट देखदी ।।

कच्चे छालू

दिलड़ू लगाई के मैं एढ़ा फल पाया ।
दुनियाँ री ठोकरां न अपना पराया ।।

रस्ते रे कण्डेआं पैर दखोई ते,
नरम थे बहुत जखमे परोई ते ।
आधो आध पुजेआ तां चेता आया,
रस्ते रा भुलेआ इनू चिएं आया ।
दुनियां री ठोकराँ न अपणा पराया ।।

औन्दे जान्दे सब लोक देखी गै तमासा,
खूना रे आ छिटेआँ रा पाई गै हासा ।
आपणियाँ कितीयाँ ते कोए नी पछताया,
मारी लया मन मैं न रोया करलाया ।
दुनियाँ री ठोकराँ न आपणा पराया ।।

याद देख्यां औन्दी

दिला रेया जखमा जो न छैड़े कोई,
काटी लैणै चार ध्याड़े चाहे रोई रोई ।।

दाग एढ़ा लगेया नी मिटणे च औन्दा,
मना री ये चादर मली मली धोई ।
मैं नी दसी किसी जो ए गल किहां बधी गी,
ताने देन्दे सब पर पुछदा नी कोई ।

होठाँ पर जन्दे लाए मैं नी कुछ बोलणा ।
इक इक आँझु रख्या दिला च लकोई ।।

आया नी तबार पर सब लोक बोलदे,
बुरी हुई तुध कने बड़ी बुरी होई ।
बोलदा था कोई पर मैं नी सच मनेया,
इस पैण्डे जाई कने हटेआ नी कोई ।

काटी लेणे चार ध्याड़े चाहे रोई रोई ।
याद देख्या औन्दी ।।

अरज

नजरा मलाई कने मत फेर आखियां ।
दिना जो नो चैन काळी कटदी नी रातियां ।।

हुआ क्या कसूर मिंजो इक बारी दसी जा ।
मैं ता दिल जान तेरे कदमां च रखिया ।।

पिपळा रे हेठ सब साथणियां झुटदी ।
मेरी मन पींघा रीयां टूटी गईयां रसियां ।।

बालक बरेसां मिंजो पता हे नी चलेआ ।
खारे आंझुंए कधी गाळी दीती आखियां ।।

चन्दरे मना जो समझाया लख बारी ।
छडी नईं जिद मेरी एक नईं मनियाँ ।।

बरसी ने उड़ी जान्दे बदळ भी सौणा रे ।
नैणा रीयां नदियाँ कधी भी नी सुकियाँ ।।

भली नी ओ कीती

तेरेग्राँ बछोड़ेग्राँ ने जिन्दड़ी मुकाई ती ।
भली नी ग्रो कीती साथिया ।।
ज्युन्दे ज्युए ल्होथ मेरी ग्रागी बिच पाई ती
भली नी ग्रो कीती साथिया ।।

लुकी छुपी मिलणा से गल्लाँ खटी मिठियाँ,
रूसणा मनाणा कधी लिखणियाँ चिठियाँ ।
पाथरा ने फोड़ी के दिल मेरा तोड़ी के,
हुई गी दूर तू गल भी भूलाई ती ।।

हटी फिरी ग्राई गी काली काली बदली,
तेरियाँ नसाणियाँ ग्राईयाँ नी नजरी ।
दुखड़े लकोई के दिलो दिल रोई के,
हाड भी गली गै जान भी दुखाई ती ।।

रेके

मेरा गीत चुप गुप गाणे वालेआ ।
रोणा तेरा काम नी सताणे वालेआ ॥

करमा रे फल सब झोलिया मैं पाई लै ।
तेरा क्या कसूर पछताणे वालेआ ॥

इको इक दिल होर चीरे लाए इतने ।
दया भी नी आई पाछ लाणे वालेआ ॥

परछावें यादा रे जान्दे जान्दे लई जा ।
हुई हासी सुफने च औणे वालेआ ॥

तेरे हाथ कम्बदे खरे नई ओ लगदे ।
तीर चक पक्के नसाणे वालेआ ॥

से गल्लां गई

से दिन गए से गल्लाँ गई ।
तेरी कितीयाँ भी मिजो नी याद रही ।।

मेरे कालजे जो चीरी कने हासणे वाले ।
तेरी हासिया रे कठे मैं ये चीर सही ।।

बिजली लसाके ता सभी लोके देखे ।
नी देख्या मेरा टपरू जिथी बिज पई ।।

खरा था बचारा सब हुण लगे बोलणे ।
जियुन्दे मेरी किन्हीए नी खबर लई ।।

एक चुप सौ सुख गल गाठी बान्ही ली ।
जादा बीती आरा हुण धख झे रही ।।

बसणा चम्बे रीया धारा,
चम्बे रीया धारा,
जीणे रा नजारा।
राबिया रा ठण्डड़ा कनारा ।।

घणे घणे जंगलाँ च ठण्डी हवा चलदी,
उची उची धाराँ जानी वड़ी बाँकी लगदी।
धारा पर जंगलाँ री माला।
बसणा चम्बे रीया धारा ।।

भोले भाले लोक इथी मिली जुली रैहन्दे,
सारे सौगी हासदे ता कठे दुख सैहन्दे ।।
छम छम करदियां नारा।
बसणा चम्बे रीया धारा ।।

सड़का रे कण्ढे आसाँ बंगले च बसणा,
मिजराँ रे मैले जानी हासी हासी नचणा।
सौगी सौगी बजणा नगारा।
बसणा चम्बे रीया धारा ।।

सरूआं री डालिए

छैल छबिलिए तू सरूंआं री डालिए।
फूलां कने सजिरीए नवीं नवीं लाड़िए॥

किने बे सन्यारे तेरे गैहणेआं जो घड़ेआ,
किने तेरे जिसमां जो तारेआं ने जड़ेआ।
किने तेरी मांग भरी, बागां रीए प्यारिए.
फूलाँ कने सजीरिए नवीं नवीं लाड़िए॥

लुखी गई चानणी जे देख्या तेरा रूप नी,
चार चफेरे तेरे रंगा री ए धूप नी।
खेतरां च नचदिए गोरिए तू न्यारिए,
फूलां कने सजीरिए नवीं नवीं लाड़िए॥

इक ता जवानी तेरी दूजे लक पतला,
देखी सुणी रैहां नी तू नपणे रा खतरा।
नौखा तेरा नखरा नी फागणा री प्यारिए।
फूलां कने सजीरिए नवीं नवीं लाड़िए॥

बदला़ रे टलुआ

दूर अम्बरा च जान्दे बदला़ रे टलुआ ।
लई जा सनेहा इक देयां सजना जो ।।

दिन जान्दा रात औंदी इहां दिन बितदे ,
चान्द तारे सई जान्दे मेरे नैण जागदे ।
मुकेआ करार तेरा बोली देआँ तिस जो ।
लई जा सनेहा इक देयां सजना जो ।।

रोज तेरी आस हुन्दी रोज दिल टुटदा ,
केढ़ा काम पया तिजो जेढ़ा नई ओ मुकदा ।
बीती जाणा सौण सारा बोली देयां तिस जो,
लई जा सनेहा इक देयाँ सजना जो ।।

फूलां पर भौर किहां गुण गुण करदे ,
चिड़ ता पखेरू दूर उड़ी मौज करदे ।
दिल मेरा जली़ जान्दा बोली देयां तिस जो ,
लई जा सनेहा इक देयां सजना जो ।।

चल जानी मेरिए

जमणो ते मण्डिया जो चल जानी मेरिए ,
जमणी री धारे धारे चली पई मोटरां ,
गडियां री सैल कराऊँ जानी मेरिये ।।

सौ रपै रा सूट तिजो देसा ते मंगाई दूँ ,
अम्बरा रे तारे तेरे चादरू जो लाई दूँ ,
लई दूँ गोरे हाथा जो रमाल जानी मेरिए ।।

कालदू री बाईं जानी ठण्डा नीर पियां तू,
टण्डी पौण जंगला री घडी भर बैठ्याँ तू ,
ख्वाला रा बसोआ चल दसूँ जानी मेरिए ।

धारा पर कुन्तभ्यो नीलासर बसदे ,
पांडवां रे टैमा रीयां गल्ला आज दसदे ।
नैणा देवी सुखना चढ़ाऊँ जानी मेरिए ,
गडियां री सैल कराऊँ जानी मेरिए ।।

कुस जो सुणाऊं

दस मुएआ दिला तिजो कुथी जे लगाऊं ।
क्या हाल तेरा हुआ कुस जो सुणाऊं ।।

बेईमान दुनियां रा की तवार किता तैं,
मेरी नाह करदेआं अगे हाथ किता तैं ।
रोन्दी रोन्दी हाखी हुण कुस जो दखाऊं,
क्या हाल तेरा हुआ कुस जो सुणाऊं ।।

धोखा हुणा तेरे कने पैहले सोची लैणा था,
पाथरा रा बणदा जे एढ़ा दुख सैहणा था ।
जीणे भी नी देन्दा मुआ तिजो कुथी पाऊं ।
क्या हाल तेरा हुआ कुस जो सुणाऊं ।।

तेरे पिछे बदनामी सिरा पर लिती मैं,
दुनियां री गल्लां सुणी "सी" भीनी किती मैं,
हुण जे तू बोले किते कधी भी ना जाऊं ।
क्या हाल तेरा हुआ कुस जो सुणाऊं ।।

काटी कने फंग

तेरियां मुहब्बतां ने हाल ये बणाई ता।
काटी कने फंग तोता पिंजरे च पाई ता॥

रखेआ लकोई दिल किसी जो नी दसेआ।
मिलदे ई नजरां मैं पला च गवाई ता॥
गम मिले इतने जे हुण हासी छुटदी।
रोज रोज रोणे रा मैं स्यापा ही मुकाई ता॥

फुलां रीयां फंगड़ियां, गुम सुम रोई गी।
मेरा गीत बागां बिच दुखिए जे गाई ता॥
भूली जान्दे सब इथी कोई निहां किसी रा।
एढ़ियां तसल्लियां ने दिल मैं पत्याई ता॥

मेरी जिन्दड़ी

तिजो पता ही नी लग्या ये क्या हुन्दा रैह्या ।
कोई डूबदा रैह्या कोई तरदा रैह्या ॥

इहाँए तैं देख्या था चार चफेरे,
तिंजो क्या पता कोई देखदा रैह्या ।

मैं सूरजा ते अग्गे री सोची री थी,
पर इक चन्द मेरे पीछे नठदा रैह्या ।

मैं भी आपू जो समझाँ कुछ था,
इक माहणू भोला जे मिजों ठगदा रैह्या ।

बदला रे टल्लू साहीं मेरी जिन्दड़ी,
गजदा रैह्या किते बरधा रैह्या ॥

पिछलियां गल्लां कुछ गुजरे जमाने ।
टोल़ने लगे याद आओणे रे वहाने ।।

एकी एकी माहणू री सौ सौ सकलां ,
एको जेहे लगदे आपणे बगाने ।

एकी नजरे दिल पाणी पाणी करी ता ,
जेढ़ा था पाले़आ बड़ेआ दुखां ने ।

सुफने री गलाँ सच नई हुंन्दी ,
नई ता सौगी हुन्दे आसे भी तुसां ने ।

कलेस

चिटे गोरे रंगा रेया लोभिया,
तैं दिला री कदर नईं जाणी ।

बड़ेआ बपारिया तैं खरा मुल लाया,
धुले मुले दिल कने प्यार सिन्दी लाया ।
तेरा ये नसाफ नईं किन्हीए सराह्या,
तैं एक किता खून होर पाणी,

चिटे गोरे रंगा रेया लोभिया ।
तैं दिला री कदर नईं जाणी ।

बडेआ शराबीया तू नशेयां रा मारा,
बोतलां च पल़दा नागाँ रा फणकारा,
हाख जे मलाँदा तिजो दिशदा नजारा,
मैं नैण कटोरेयां री राणी ,

चिटे गोरे रंगा रेया लोभिया,
तैं दिला री कदर नईं जाणी ।

गलान्दा देखेआ

कधी हासदा ता कधी करलाँदा देखआ ,
आसे एक माह्लू तुसा ने गलाँन्दा देखआ।

कोई देखे न दखाये, कोई सुणे न सुणाये ,
एक भला लोक नैणा ने गलाँदा देखआ।

बैरीयां री गलाँ कने तुसे किजो दुखदे ,
मैं ता सजण भी डमके लगां-दा देखआ।

रौणकाँ नजारे कधी जिस कने रैहंदे थे ;
से भी आज कल्हा - मुल्हा जान्दा देखआ।

बुरा हा जमाना तुसे, सच देखया मनदे ,
ये ता हर केते मेरा नाँव लाँदा देखया।

कधी हासदा ता कधी करलांदा देखया ,
आसे एक माह्लू तुसा ने गलाँदा देखया ।

गंगी–बालो

लड़की - इन्हा हाखियां ते नीर बगदा ,
छोड़े - छोड़े मिल्यां छोरूआ ,
मेरा दिल नी ओ किते लगदा ।

लड़का - तेरे बाझी भी ना चन्द चढ़दा ,
वरखा च आग वहृदी ,
होर रोन्दा रोन्दा दिन ढलदा ।

लड़की - बंगा पैन्हणियां देखी सुणी के ,
चादरू रंगाई दे तोतकी ,
मेले जाई लैणा बणी ठणी के ।

लड़का - तू ता गोरिए जवानिएं भरी ,
मुड़ी - मुड़ी तिजो देखदे ,
इन्हा छोरूआ री नीत नी खरी ।

लड़की - इन्हा वैरियां ता जली मरना,
तू ता छोरू गम ना करयां,
जेढ़ा करना आसां ई करना।

लड़का - तेरे पिछे मैं ता छाडी ते सारे,
नदियाँ रे मोड़ी दूँ छरे,
होर अम्बरा रे तोड़ी दूँ तारे।

लड़की - एसा मरजा रा लाज दसी जा,
धक धक करे कालजा,
जली निन्दरा ने वैर फसी रा।

लड़का - एसा मरजा ता तारे दसणे,
दस्यां भला नाड़ी गोरिए,
ठीक हुणा पर सूए लगणे।

लड़की - सुण बैरिया तैं जुलम किता,
चादरू भी छेखी लो गया,
नवां सूट भी मरोड़ी लो दीता।

लड़का - फटे चादरू जो सट जाली के,
पकीयां मुहब्बतां मेरो,
सूट लई लैयां ताली ताली के।

लड़की -
तेरे फफड़े मैं सभ जाणदो,
सच सच 'दस्यां छोरूआ,
कधी सुफने च हांऊं भी आओंदी।

लड़का -
तिजो ठगी के मां क्या लो करना,
सुफना तू सुण गोरिए,
पर सुणी कने औणी सरमा।

लड़की -
काला कुरता सयाणा टसरी,
खुला डुला सीयां छोरूआ,
भीड़ा हुंगा तेरे सिरा सटगी।

लड़का -
सारा दोस मेरे सिरा ही औन्दा,
मेरा क्या कसूर गोरिए,
नाप रातों रात वधली जांदा।

लड़की -
मेरे बागां बिच छांव लो घणी,
जगे—जगे बाड़ लगीरे,
तिजो पुजणे जो देर लगणी।

लड़का -
दिल तोड़ना नी कधी लाई के,
भानी तोड़ी बाड़ सटणे,
मैं तां पुजणा ठकाणे जाई के।

लड़की - इसा पींघा रा झुटारा लई जा,
तू भी क्या ही आद रखगा,
इस बागा री बहारा लई जा।

लड़का - मेरी बाटा बिच फुल पई रे,
तू ता वड़ी चीज नी छोरी,
मैं ता सुरगा रे झूटे लई रे।

लड़की - मेरी जान कधी निकळी जाणी,
नैणा जो सम्हाळ छोरूआ,
मेरा दिल हुआ पाणी लो पाणी।

लड़का - तेरी ज्वानियाँ कमाल करना,
हाखियां ता राळ गोरिए,
दिल खिलो ने गुलाव बणाना।

लड़की - तिजो काजो होरा - होर लगीरी,
स्याणैआं गलाईरा छोरूआ,
दाणे - दाणे पर मोहर लगीरी।

लड़का - स्याणी गल्लां हुण खूहा पाई ती,
मैं ता मुईए जेबा रखी री,
दाणा देख्या होर मोहर लाई ती।

लड़की - इन्हा आम्वा रा तू मुल लाई लै ,
तोड़ी तोड़ी देख्याँ छोरूआ ,
स्वाद लगदे ता झोले पाई लै ।

लड़का - कच्चे आम्व तैं ता पैला पाई रे ,
छिकणू जो खोल गोरिए ,
काजो साड़ने वचारे लाई रे ।

लड़की - तैं ता बुरा ये कलेस पाई ता ,
भोला भाला दिल था मेरा ,
तैं ता पक्का ये पलेस पाई ता ।

लड़का - इन्हां गल्लां ते तू मत डरदी ;
किसी जो न दस्यां गोरिए ,
देख्याँ जिन्जो वदनाम करदी ।

लड़की - हाऊँ ता सरमा ही करदी रैंही ,
पखला पच्छ्याणू निकल्या ,
मैं ता आजा तक डरदी रैंही ।

लड़का - नवें फुल हुण फुली लो गए ,
जनमा री सौग अपणी ,
इस जनमा भी मिली लो गए ।

लड़को -	सुके डालुआं जो पाणी देई जा,
चलेआ ता जायां छोरूआ,
जान्दा जान्दा तू नसाणी देई जा।

लड़का -	मेरा पल्ला हुण हुआ सखणा,
दिल जान तेरी गोरिए,
हुण माँगी लै तू क्या बे मांगणा।

Indian Institute of Advanced Study
Acc. No. G-1257
Date 29-5-92
Simla